LIBRARY

WEST BENGAL STATE UNIVERSITY

B.A. Honours/Programme 2nd Semester Examination, 2020

Mrinal Mazumdar Memorial College for Women
LIBRARY
Dakshineswar, Kolkata-35

HINHGEC02T/HINGCOR02T-HINDI (GE2/DSC2)

Time Allotted: 2 Hours | Full Marks: 50

The figures in the margin indicate full marks.
Candidates should answer in their own words and adhere to the word limit as practicable.

1. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए – 1×5 = 5

(क) बिहारी सतसई के अतिरिक्त किसी दूसरी सतसई का नाम लिखिए।

(ख) कबीर को 'वाणी का डिक्टेटर' किसने कहा है ?

(ग) 'साहित्य लहरी' किस भाषा में रचित है ?

(घ) घनानंद रचित किसी एक पुस्तक का नाम लिखिए।

(ङ) जायसी भक्ति काल के किस धारा के अंतर्गत हैं ?

2. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए – 5×3 = 15

(क) ऐसे हरिदास पर प्रीति
निज प्रभुता बिसारि जनके बस, होत सदा यह रीति।

(ख) अति सूधो सनेह को मारग है, जहाँ नेकु सयानप बांक नहीं
तहां सांचे चलै तजि आपुनपौ, झिझकैं कपटी जे निसांक नहीं॥
घन आनंद प्यारे सुजान सुनौं, यहां एक ते दूसरो आंक नहीं
तुम कौन धौं पाटी पढ़ हौ लला, मन लेहु पै देहु छटांक नहीं॥

(ग) जप माला छापा तिलक, सरै न एकौ कामु।
मन-काँचै नाचै वृथा, सांचै रांचै राम॥

(घ) सुखिया सब संसार है, खायै अरु सोवै।
दुखिया दास कबीर है, जागै अरु रोवै॥

(ङ) पिउ-बियोग अस बाउर जीऊ। पपिहा निति बोले 'पिउ पिऊ'॥
अधिक काम दाधै सो रामा। हरि लेइ सूबा गाएउ पिउ नामा॥

3. तुलसीदास की कविताओं में निहित लोकमंगल की भावना पर सोदाहरण विचार कीजिए। 15

अथवा

रसखान के पदों में निहित भक्तिभावना के वैशिष्ट्य पर प्रकाश डालिए।

4. आज के संदर्भ में कबीर की प्रासंगिकता का विवेचन कीजिए। 15

अथवा

जायसी के विरह वर्णन की मार्मिकता का विश्लेषण कीजिए।

N.B. : *Students have to complete submission of their Answer Scripts through E-mail / Whatsapp to their own respective colleges on the same day / date of examination within 1 hour after end of exam. University / College authorities will not be held responsible for wrong submission (at in proper address). Students are strongly advised not to submit multiple copies of the same answer script*